Patrika (Indore), 17th November 2024, Page- 02

एआरटीआरएसी इकाई के साथ एमओयू

सेना के लिए नई तकनीक विकसित करेगा IIT इंदौर

इंदौर@पत्रिका. भारतीय सेना की एआरटीआरएसी इकाई और आइआइटी इंदौर ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह साझेदारी शैक्षणिक और अनुसंधान क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ाने के लिए की गई है। इस समझौते का केंद्र बिंदु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा, सिग्नल प्रोसेसिंग और वीएलएसआइ प्रौद्योगिकी जैसी उभरती तकनीकों में नवाचार और समाधान विकसित करना है।

एमसीटीई के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल केएच गवास ने कहा कि साझा भागीदारी से भारतीय सेना के तकनीकी कौशल को बढ़ाने व प्रौद्योगिकी-आधारित युद्ध क्षेत्रों के लिए तैयारियों में सहायता मिलने की उम्मीद है। इससे भारतीय सेना आधुनिक युद्ध क्षेत्र की तैयारियों में मजबूत होगी और राष्ट्रीय सुरक्षा में तकनीकी नवाचार में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी ने कहा कि यह साझेदारी शैक्षणिक जगत को सैन्य चुनौतियों से जोड़ने का अनूठा अवसर प्रदान करेगी।

साझेदारी के मुख्य बिंदु

- **मिलिट्री समस्या परिभाषा कथन (पीडीएस):** सैन्य क्षेत्र में प्रासंगिक अनुसंधान और समाधान विकसित करने पर जोर।
- **विनिमय कार्यक्रम:** विशेषज्ञता साझा करने आइआइटी इंदौर के संकाय सदस्य और छात्रों के लिए संरचित विनिमय कार्यक्रम।
- **संयुक्त प्रशिक्षण:** सैन्य और शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल और पाठ्यक्रमों का विकास।
- **प्रयोगशाला व बुनियादी ढांचे तक पहुंच:** उन्नत प्रोटोटाइप और अनुसंधान एवं विकास के लिए अत्याधुनिक संसाधनों का उपयोग।